



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 404]  
No. 404]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 26, 1988/श्रावण 4, 1910  
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 26, 1988/SRAVANA 4, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

संचार मंत्रालय

(दूर संचार विभाग)

(दूर संचार बोर्ड)

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1988

प्रवक्तृत्व

सा.का.वि. 812 (घ):—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय तार नियम, 1951 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय तार (छांटनी संशोधन) नियम, 1988 है।

(2) ये 1 अगस्त, 1988 को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 434 में:—

(क) अनुभाग 1 के उप-अनुभाग 1 की सब (ग), (घ) और (ङ) के स्थान पर निम्नलिखित मर्दे रखी जाएंगी, अर्थात्:—

(ग) "लाउड स्पीकिंग टेलीफोन के लिए 100 रु

(घ) निम्नलिखित अतिरिक्त मुचिधाओं के लिए:—

(i) अतिरिक्त बंटी 150 रु.

(ii) रिबील सहित उपबंटी 200 रु.

(iii) (1) टेलीफोन यंत्र की मरम्मत करने के लिए एक प्लग की मिलाकर प्लग और साकेट की व्यवस्था तथा बी साकेट के लिए 300 रु.

(2) प्रत्येक अतिरिक्त साकेट के लिए 100 रु.

(iv) लम्बे रज्जु के लिए

(1) 5 मीटर की लम्बाई तक 100 रु

(2) प्रत्येक अतिरिक्त 5 मीटर की लम्बाई के लिए 50 रु.

सब (घ) में विनिर्दिष्ट संस्थापन प्रभार के अतिरिक्त सामान्य टूट फूट भी होते हैं। तीन वर्ष के अवसान के पश्चात् इन मुचिधाओं का प्रतिस्थापन ऊपर उपरिष्ठित दरों पर फिर से प्रभाव्य होगा।

(ख) अनुभाग III के उप-अनुभाग 2 में, सब (क) और सब (ख) तथा उसके अधीन परस्पर के स्थान पर निम्नलिखित म रखी जाएंगी, अर्थात्:—

"(क) ऐसे टेलीफोन केनेक्शन के लिए, जिनकी वास्तविक लम्बाई स्थानीय क्षेत्र से परे क्षेत्र में 5 किलोमीटर

अधिक नहीं है बही किराया लिया जाएगा जो स्थानीय क्षेत्र के अस्तमित कनेक्शनों के लिए लिया जाता है, और इसके अतिरिक्त 600 रु. प्रति वर्ष या कनेक्शन की स्थानीय क्षेत्र से बाहर की वास्तविक लम्बाई के प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उसके भाग के लिए प्रति दो मास में 100/- रुपये लिए जाएंगे।

(ख) ऐसे टेलीफोन कनेक्शनों के लिए, जिसकी वास्तविक लम्बाई स्थानीय क्षेत्र से परे क्षेत्र में 5 किलोमीटर से अधिक है किन्तु 10 किलोमीटर से अधिक नहीं है, बही किराया लिया जाएगा जो स्थानीय क्षेत्र से परे पांच किलोमीटर की वास्तविक लम्बाई के भीतर कनेक्शन के लिए उपरोक्त मद (क) के अनुसार है धन 800 रुपये प्रति वर्ष या जो स्थानीय क्षेत्र से परे पांच किलोमीटर से अधिक वास्तविक लम्बाई के लिए प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उसके भाग के लिए प्रति दो मास के लिए 134 रुपये वसूल किया जाएगा।

(खख) ऐसे टेलीफोन कनेक्शनों के लिए, जिसकी वास्तविक लम्बाई स्थानीय क्षेत्र से परे 10 किलोमीटर से अधिक है, बही स्थानीय क्षेत्र से परे क्षेत्र में 10 किलोमीटर की वास्तविक लम्बाई के कनेक्शनों के लिए लिया जाने वाला किराया उपरोक्त मद (ख) के अनुसार तथा प्रति किलोमीटर 1500 रु. प्रति वर्ष होगा या स्थानीय क्षेत्र से परे 10 किलोमीटर से अधिक वास्तविक लम्बाई के प्रति अतिरिक्त किलोमीटर या उसके भाग के लिए प्रत्येक दो मास के लिए 250 रु. होगा।

परन्तु उपरोक्त मद (खख) के अर्थात् टेलीफोन कनेक्शन के लिए किराया की न्यूनतम अवधि 3 वर्ष होगी और सेवा के लिए प्रतिभूति नियम 445 के अर्थात् विनियमित होगी और सेवा के उपबंध से पहले ग्राहक से वसूल कर ली जाएगी।

(ग) खंड V में,—

(1) उप-अनुभाग 1 की मद (ग) के स्थान पर, निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात्:—

“(ग) बाहरी कनेक्शन— वास्तविक किराया

(i) मुख्य कनेक्शन से जिसकी प्रभाव्य दूरी एक किलोमीटर से अधिक न हो। 1400 रु.

(ii) मुख्य कनेक्शन से, जिसकी प्रभाव्य दूरी एक किलोमीटर से अधिक किन्तु पांच किलोमीटर से अधिक नहीं हो। किराया पहले किलोमीटर के लिए तथा प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उससे कुछ कम दूरी के लिए प्रतिवर्ष 800 रु.

(iii) मुख्य कनेक्शन से, जिसकी प्रभाव्य दूरी पांच किलोमीटर से अधिक हो। किराया पहले पांच किलोमीटर के लिए उपरोक्त उप-मद (ii) के अनुसार तथा प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उससे कम दूरी के लिए प्रतिवर्ष 1500 रु.

परन्तु उपरोक्त उप-मद (iii) के अर्थात् बाहरी टेलीफोन कनेक्शन के लिए किराया की न्यूनतम अवधि 3 वर्ष होगी और सेवा के लिए प्रतिभूति नियम 445 के अर्थात् विनियमित होगी और सेवा के उपबंध से पहले ग्राहक से वसूल कर ली जाएगी।

(2) उप-अनुभाग 2 का तीन किया जाएगा।

(घ) अनुभाग VI के उप-अनुभाग 1 के स्थान पर निम्नलिखित उप-अनुभाग रखा जाएगा, अर्थात्:—

“2. सुविधाओं के दायरे:—	वास्तविक किराया
(क) पूरा टेलीफोन नेट	150 रु.
(ख) बिक्री वस्तुओं तक	150 रु.
(ग) हरि विस्तारक टेलीफोन	800 रु.

(ङ) खंड VIII में,—

(1) उपाखंड 1 में,—

“या 1200 लाइन से अधिक के वर्तमान प्रकार के निजी यात्रा टेलीफोन केंद्र और निजी सार्वजनिक यात्रा टेलीफोन केंद्र।” से संबंधित पैरा 1 में से—

“टेलीफोन केंद्र के संयोजन में उपाखंड 1 में लाइन के आधार पर संगठित विशेष दलों पर इनमें से जो भी अधिक हो” शब्दों का हटा दिया जाएगा।

(2) उप-अनुभाग 2 में— निजी टेलीफोन केंद्रों (इसका अर्थ स्वयं और निजी यात्रा टेलीफोन केंद्रों (इसका अर्थ स्वयं) से टेलीफोन कनेक्शनों के लिए किराया से संबंधित मदें (ख) और (ग) के स्थान पर निम्नलिखित मदें रखी जाएगी, अर्थात्:—

“(ख) बाहरी कनेक्शन वास्तविक किराया  
(i) निजी और निजी यात्रा टेलीफोन केंद्र 1400 रु.  
से जिसकी प्रभाव्य दूरी 1 किलोमीटर से अधिक न हो।

(ii) निजी और निजी यात्रा टेलीफोन किराया पहले केंद्र से जिसकी प्रभाव्य दूरी 1 किलोमीटर से अधिक हो किन्तु 5 किलोमीटर से अधिक न हो। अनुसार तथा प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उससे कुछ कम दूरी के लिए 800 रु. प्रतिवर्ष।

(iii) निजी और निजी यात्रा टेलीफोन केंद्र से जिसकी प्रभाव्य दूरी 5 किलोमीटर से अधिक हो। उपरोक्त उप-मद (ii) के अनुसार किराया पहले पांच किलोमीटर के अनुसार तथा प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उससे कम दूरी के लिए 1500 रु.

परन्तु उपरोक्त उप-मद (iii) के अर्थात् होने वाले बाहरी कनेक्शन की दशा में किराया कर देने की न्यूनतम अवधि 3 वर्ष होगी और सेवा के लिए प्रतिभूति नियम 445 के अर्थात् विनियमित की जाएगी तथा सेवा उपबंध से पहले ग्राहक से वसूल कर ली जाएगी।

(ख) खंड IX में,—

(3) उप-खंड 1 में, मध्य (ख) के स्थान पर निम्नलिखित मध्य रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ख) बाहरी निजी तार (रिसे सेट के साथ या बांझ किराया रिसे सेट के बिना)

(i) जिसकी प्रमाय दूरी 1 किलोमीटर 1400 रु. से अधिक न हो।

(ii) जिसकी प्रमाय दूरी 1 किलोमीटर से अधिक हो किन्तु 5 किलोमीटर से अधिक न हो।

(iii) जिसकी प्रमाय दूरी 5 किलोमीटर से अधिक हो।

पहले किलोमीटर के अनुसार तथा प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उससे कुछ कम दूरी के लिए प्रति-वर्ष 800 रु.

उपरोक्त उप-मध्य (ii) के अनुसार किराया पहले पांच किलोमीटर के अनुसार तथा प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उससे कम दूरी के लिए 1500 रु.”।

परन्तु उपरोक्त उप-मध्य (iii) के अन्तर्गत आने वाले निजी तारों की दूरी में किराया पर देने की न्यूनतम अवधि 3 वर्ष होगी और सेवा के लिए प्रतिभूति नियम 445 के अन्तर्गत विनियमित की जाएगी, तथा सेवा के उपबन्ध से पहले केता से बचल कर ली जाएगी।”

(2) उप-खंड 2 का खोल दिया जाएगा;

(3) उप-खंड 3 के स्थान पर निम्नलिखित उप-खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“3. बाहरी निजी तारों की प्रमाय दूरी छोड़े जाने वाले दो बिन्दुओं के बीच की दूरी दूरी का 1.25 गुना होगी।”

(घ) खंड X में,—

(1) उप-खंड 1 के स्थान पर निम्नलिखित उप-खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“1. (क) जिसकी प्रमाय दूरी 1 किलोमीटर बांझ किराया से अधिक न हो। 1400 रुपए

(ख) जिसकी प्रमाय दूरी 1 किलोमीटर से अधिक हो किन्तु 5 किलोमीटर के अनुसार तथा प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उससे कुछ कम दूरी के लिए प्रति-वर्ष 800 रु.

(ग) जिसकी प्रमाय दूरी 5 किलोमीटर से अधिक हो।

उपरोक्त उप-मध्य (ख) के अनुसार किराया पहले पांच किलोमीटर

के अनुसार तथा प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उससे कम दूरी के लिए 1500 रुपये।”

परन्तु उपरोक्त मध्य (ग) के अन्तर्गत आने वाले केन्द्र हस्त लाइन की दूरी में किराया पर देने की दूरी में न्यूनतम अवधि 3 वर्ष होगी और सेवा के लिए प्रतिभूति नियम 445 के अन्तर्गत विनियमित की जाएगी, तथा सेवा के उपबन्ध से पहले केता से बचल कर ली जाएगी।

(2) उप-खंड 2 और 3 का खोल दिया जाएगा,

(ख) अनुभाग XII में, “दूरस्थ सार्वजनिक काल कार्यालयों से एक-दो-दो” शीर्षक के अन्तर्गत विनियमान और के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

बांझ किराया

“(क) जिसकी सार्वजनिक काल कार्यालय से 300 मीटर वास्तविक लम्बाई एक किलोमीटर से अधिक न हो।

(ख) जिसकी सार्वजनिक काल कार्यालय से प्रसार एक किलोमीटर वास्तविक लम्बाई एक किलोमीटर से अधिक हो किन्तु 5 किलोमीटर से अधिक न हो।

प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर के लिए या उससे कुछ कम दूरी के लिए 1500 रु. प्रतिवर्ष।

(ग) जिसकी सार्वजनिक काल कार्यालय से उपरोक्त मध्य वास्तविक लम्बाई पांच किलोमीटर से अधिक हो।

(ख) के अनुसार पहले पांच किलोमीटर प्रसार के लिए तथा प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर के लिए या उससे कम दूरी के लिए 1500 रु. प्रतिवर्ष।

परन्तु उपरोक्त मध्य (ग) के अन्तर्गत आने वाले दूरस्थ सार्वजनिक काल कार्यालय से विस्तार की दूरी में किराया पर देने की न्यूनतम अवधि 3 वर्ष होगी और सेवा के लिए प्रतिभूति नियम 445 के अन्तर्गत विनियमित की जाएगी तथा सेवा के उपबन्ध से पहले केता से बचल कर ली जाएगी।”

3. उक्त नियमों के नियम 493 के उप-नियम (1) में पहले परन्तुक के परचात निम्नलिखित परन्तुक अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु और कि तार सफाई के प्रत्येक अंत में उपरि उक्त स्थानीय तार को अनुभाग IX के अधीन या यथास्थिति नियम 434 के अनुभाग X के अधीन निजी तार या केन्द्र हस्त लाइन (के रूप में) माना जाएगा।”

4. उक्त नियमों के नियम 493-क में, अन्त में निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु उपरोक्त उक्त मध्य टी/वी सफाई के प्रत्येक और पर उपरि उक्त स्थानीय तार को अनुभाग IX के अधीन या यथास्थिति नियम 434 के अनुभाग X के अधीन निजी तार या केन्द्र हस्त लाइन (के रूप में) माना जाएगा।”

5. वक्त नियमों के नियम 496 के उप नियम (1) के खंड (क) में,—

(क) विद्यमान परस्पर से पहले निम्नलिखित परस्पर अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

परस्पर नियम 494 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, किसी टेलीफोन सर्किट के प्रत्येक छोर पर उपबंधित स्थानीय लीड को अनुभाग IX के अधीन या यथास्थिति नियम 434 के अनुभाग X के अधीन निजी तार या केबल इतर लाइन (के रूप में) माना जाएगा।”;

(ख) विद्यमान परस्पर में परस्पर यह कि “जहाँ के स्थान पर” परस्पर यह और कि “जहाँ” रखे जाएंगे।

6. वक्त नियमों के नियम 519 में “क. किराया” शीर्षक के नीचे,—

(क) मद (iii) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

(iii) टेलीग्रैटर टेलीफोन केबल के 5 450 रुपये प्रति किलोमीटर (स्थानीय क्षेत्र) के वर्ष विस्था से परे पांच किलोमीटर से अधिक के कनेक्शन की वास्तविक लम्बाई के प्रत्येक प्रतिरिक्त किलोमीटर या उससे कम दूरी के लिए।

(ख) टेलीग्रैटर टेलीफोन केबल के 5 किलोमीटर 1500 रुपये (स्थानीय क्षेत्र) के विस्था से परे पांच किलोमीटर प्रति वर्ष से अधिक के कनेक्शन की वास्तविक लम्बाई के प्रत्येक प्रतिरिक्त किलोमीटर या उससे कम दूरी के लिए।

परस्पर यह कि जहाँ कोई टेलिग्राफ लाइन पूरा या आंशिक किसी वायव-फ्रिक्वेंसी टेलीग्राफ चैनल द्वारा प्राप्ति हो, वहाँ इस मद के अधीन प्रसार्य ऐसी पूरी लाइन को या उसके भाग को टेलीग्राफ सर्किट माना जाएगा और ऐसी लाइन के लिए किराया नियम 493 के उपनियम (1) में निर्दिष्ट दरों के अनुसार प्रसारित किया जाएगा ;

परस्पर यह और कि इस मद के अधीन किराया की स्थूलतम अर्धश सौन वर्ष होगी और सेवा के लिए प्रतिभूति नियम 445 के अधीन विनियमित की जाएगी और सेवा का उपयोग किए जाने से पहले जैसा से बसूल कर ली जाएगी।”;

(ख) मद (xiv) के नीचे के परस्पर का लोप किया जाएगा ;

(ग) इस प्रकार लोप किए गए परस्पर के पश्चात् धाने धाने टिप्पण 1 के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पण रखा जाएगा, अर्थात् :—

टिप्पण 1 : किराये की स्थूलतम अर्धश, मद (iii) द्वारा शासित बना को छोड़कर, एक वर्ष की होगी।”

[फा.सं. 4-31/86-आर/पाठ]

एन.आर. हरमन, पब्लिक अवर सचिव, और सदस्य (दूर संचार बोर्ड)

टिप्पणी :—मूल नियम, 1-9-1984 तक यथासंशोधित, आक-तार विमान की नियम पुस्तिका-खण्ड-1, विद्यार्थी अधिनियम, भाग 2, छठा संस्करण में प्रकाशित किए गए हैं और तत्पश्चात् इनके निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं :—

1. सा.का.नि. 553 (अ) तारीख 27-3-1986
2. सा.का.नि. 1237 (अ) तारीख 28-11-1986
3. सा.का.नि. 377 (अ) तारीख 8-4-1987

4. सा.का.नि. 837 (अ) तारीख 5-10-1987
5. सा.का.नि. 989 (अ) तारीख 17-12-1987
6. सा.का.नि. 337 (अ) तारीख 11-3-1988
7. सा.का.नि. 361 (अ) तारीख 21-3-1988
8. सा.का.नि. 626 (अ) तारीख 17-5-1988
9. सा.का.नि. 734 (अ) तारीख 24-6-1988

MINISTRY OF COMMUNICATIONS  
(Department of Telecommunications)  
(TELECOM BOARD),

New Delhi, the 26th July, 1988

NOTIFICATION

G.S.R. 812(E) :—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1835 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Eight Amendment) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the 1st day of August, 1988.

2. In rule 434 of the Indian Telegraph Rules, 1951 (hereinafter referred to as the said rules) :—

(a) in Section-I, in sub-section 1, for items (c) (d) and (e), the following items shall be substituted, namely :—

	Rs.
“(c) for loudspeaking Telephones	100
(d) for the following additional facilities	
(i) extra bell	150
(ii) extension bell with switch	200
(iii) (1) for a plug and socket arrangement comprising of one plug for terminating the telephone instruments and two sockets.	300
(2) for each additional socket	100
(iv) for long cord	
(1) upto 5 metres in length	100
(2) for every additional 5 metres length	50

The installation charges specified in item (d) shall cover normal wear and tear. Replacement of these facilities after the expiry of 3 years, shall be chargeable afresh at the rates indicated above.”;

(b) in Section III, in sub-section 2 for items (a) and (b) and the proviso thereunder, the following items shall be substituted, namely :—

- “(a) for telephone connections not exceeding five kilometres of actual length beyond the local area, the rental shall be levied as for connections within the local area plus Rs. 600 per annum or Rs.100 for every two months for each additional kilometre or fraction thereof of the actual length of the connection beyond the local area.
- b) for telephone connections exceeding five kilometres but not exceeding ten kilometres of actual length beyond the local area, the rental shall be levied as for connections within five kilometres of actual length beyond the local area in accordance with item (a) above plus Rs.800 per annum or Rs.134 for every two months for each additional

kilometre or fraction thereof of the actual length exceeding five kilometres beyond the local area.”;

- (bb) for telephone connections exceeding ten kilometres of actual length beyond the local area, the rental shall be levied as for connections within ten kilometres of actual length beyond the local area in accordance with item (b) above plus Rs. 1500 per annum per kilometre or Rs. 250/- for every two months for each additional kilometre or fraction thereof, of the actual length exceeding ten kilometres beyond the local area.

Provided that for a telephone connection under item (bb) above, the minimum period of hire shall be 3 years and the security for the service shall be regulated under rule 445 and obtained from the subscriber before the provision of the service;

(c) in Section V,—

- (1) in sub-section 1, for item (c), the following item shall be substituted, namely:—

“(c) External extension:— Annual rental

- |   |   |
|---|---|
| (i) Not exceeding one kilometre chargeable distance from the main connection.                                   | Rs. 1400/-.   |
| (ii) Exceeding one kilometre but not exceeding five kilometres of chargeable distance from the main connection. | Rental as for first kilometre plus Rs. 800 per annum for each additional kilometre or fraction thereof.   |
| (iii) Exceeding five kilometres of chargeable distance from the main connection.                                | Rental as for first five kilometres in accordance with sub-item (ii) above plus Rs. 1500 per annum for each additional kilometre or fraction thereof. |

Provided that for an external extension under sub-item (iii) above, the minimum period of hire shall be 3 years and the security for the service shall be regulated under rule 445 and obtained from the subscriber before the provision of the service.”;

(2) sub-section 2 shall be omitted;

- (d) in Section VI, for sub-section 1, the following sub-section shall be substituted, namely:—

“1. Particulars of the facility:—	Annual Rental
	Rs.
(a) A complete telephone set	150
(b) Coin collecting Box	150
(c) Loud speaking telephone.	300”.

(e) in Section VIII, —

- (1) in sub-section 1, in item (cc) relating to “Extendable Type PBXs and PABXs of more than 1200 lines”, in paragraph (1), the words “or at the special rates calculated on the basis of capital cost incurred in installing the exchange, whichever is higher”, shall be omitted;

(2) in sub-section 2, relating to “RENTAL FOR TELEPHONE CONNECTIONS FROM PRIVATE EXCHANGES (MANUAL AND AUTOMATIC) AND PRIVATE BRANCH EXCHANGES (MANUAL AND AUTOMATIC)”, for items (b) and (c), the following items shall be substituted, namely:—

“(b) External connections:— Annual rental

- |  |  |
|--|--|
| (i) Not exceeding one kilometre chargeable distance from the private and private branch exchanges.                               | Rs. 1400   |
| (ii) Exceeding one kilometre but not exceeding 5 kilometres of chargeable distance from the private and private branch exchanges | Rental as for the first kilometre plus Rs. 800 per annum for each additional kilometre or fraction thereof.  |
| (iii) Exceeding five kilometres of chargeable distance from the private and private branch exchanges.                            | Rental as for first 5 kilometres in accordance with sub-item (ii) above, plus Rs. 1500 per annum for each additional kilometre or fraction thereof”. |

Provided that in the case of external connection covered under sub-item (iii) above, the minimum period of hire shall be 3 years and the security for the service shall be regulated under rule 445 and obtained from the subscriber before the provision of the service.”;

(f) in section IX, .

- (1) in sub-section 1, for item (b) the following item shall be substituted, namely:—

“(b) External private wires (with or without relay set):— Annual rental

- |   |   |
|---|---|
| (i) Not exceeding one kilometre chargeable distance                                 | Rs. 1400  |
| (ii) Exceeding one kilometre but not exceeding 5 kilometres of chargeable distance. | Charges as for the first kilometre plus Rs. 800 per annum for each additional kilometre or fraction thereof.  |
| (iii) Exceeding five kilometres of chargeable distance.                             | Charges as for first five kilometres in accordance with sub-item (ii) above, plus Rs. 1500 per annum for each additional kilometre or fraction thereof. |

Provided that in the case of private wires covered under sub-item (iii) above, the minimum period of hire shall be 3 years and the security for the service shall be regulated under rule 445 and obtained from the subscriber before the provision of the service.”;

(2) Sub-section 2 shall be omitted;

- (3) for sub-section 3, the following sub-section shall be substituted, namely:—

“3. The chargeable distance of external private wires shall be 1.25 times of the radial distance between the two points to be connected.”;



(g) in Section X,—

(1) for sub-section 1, the following sub-section shall be substituted, namely :—

	Annual rental.
"1. (a) Not exceeding one kilometre chargeable distance.	Rs.1400
(b) Exceeding one kilometre but not exceeding five kilometres of chargeable distance.	Charges as for the first kilometre plus Rs.80 per annum for each additional kilometre or fraction thereof.
(c) Exceeding five kilometres of chargeable distance.	Charges as for first five kilometres in accordance with item (b) above, plus Rs.1500/-per annum for each additional kilometre or fraction thereof.

Provided that in the case of non-exchange lines covered under item (c) above, the minimum period of hire shall be 3 years and the security for the service shall be regulated under rule 445 and obtained from the subscriber before the provision of the service."

(2) Sub-section 2 and 3 shall be omitted ;

(h) in Section-XII, under the heading "EXTENSIONS FROM LONG DISTANCE PUBLIC CALL OFFICES" for the existing paragraph, the following shall be substituted, namely :—

	Annual rental
"(a) Not exceeding one kilometre of actual length from the Public Call Office.	Rs.300
(b) Exceeding one kilometre of actual length but not exceeding 5 kilometres of actual length from Public Call Office.	Charges as for the first kilometre plus Rs.250/-per annum for each additional kilometre or fraction thereof.
(c) Exceeding five kilometres of actual length from Public Call Office.	Charges as for first five kilometres in accordance with item (b) above, plus Rs.1500per annum for each additional kilometre or part thereof.

Provided that in the case of extensions from long distance Public Call Offices covered under item (a) above, the minimum period of hire shall be 3 years and the security for the service shall be regulated under rule 445 and obtained from the subscriber before the provision of the service".

3. In rule 493 of the said rules, in sub-rule (1), after the first proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided further that the local lead provided at each end of the telegraph circuit shall be treated as a private wire or a non-exchange line under Section IX or, as the case may be, Section X of rule 434."

4. In rule 493 A of the said rules, the following proviso shall be inserted at the end, namely :—

"Provide I that the local lead provided at each end of the aforesaid High Speed Teleprinter Circuit shall be treated as a private wire or a non-exchange line under Section IX or, as the case may be Section X of rule 434".

5. In rule 495 of the said rules, in clause (a) of sub-rule (1), —

(a) before the existing proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided that subject to the provisions of rule 494 the local lead provided at each end of a telephone circuit, shall be treated as a private wire or a non-exchange line under Section IX or, as the case may be, Section X of rule 434.

(b) in the existing proviso, for the words "Provided that", the words "Provided further that" shall be substituted.

6. In rule 519 of the said rules, under the heading "A RENTAL " ,—

(a) for item (iii) the following item shall be substituted, namely :—

- "(iii)(a) for each additional kilometre or part of a kilometre of the actual length of the connection but not exceeding five kilometres beyond the radius of five kilometres (Local area) of the teleprinter Exchange.....Rs. 450/-per annum.
- (b) for each additional kilometre or part of a kilometre of the actual length of the connection exceeding five kilometres beyond the radius of five kilometres (Local area) of the teleprinter exchange.....Rs. 150/-per annum.

Provided that where a part or whole of the telex line is subserved by a Voice Frequency Telegraph Channel, such part or whole of the line chargeable under this item shall be treated as a telegraph circuit and rental for such line shall be charged in accordance with the rates specified in sub-rule (1) of rule 493 ;

Provided further that the minimum period of hire under this item shall be three years and the security for the service shall be regulated under rule 445 and obtained from the subscriber before the provision of the service."

(b) the proviso occurring below item (xiv) shall be omitted ;

(c) for Note 1 occurring after the proviso as so omitted, the following Note shall be substituted, namely :—

"Note 1. The minimum period of hire shall be one year except in the case governed by item (iii)".

[F.N.O.4-31/86-R/Pt.]

N.R. HIRGANGE,

Ex-Officio Add. Secy. and Member (Telecommunication Board)

Note :— The principal rules, as amended upto 1-9-1984 have been published in the P & T Manual Volume-I, Legislative Enactments, Part-II, Sixth Edition, these have subsequently been amended as under :—

1. G.S.R. 553(E) dated 27-3-1986.

2. G.S.R. 1237 (E) dated 28-11-1986.

3. G.S.R. 377 (E) dated 9-4-1987.

4. G.S.R. 837 (E) dated 5-10-1987.

5. G.S.R. 989 (E) dated 17-12-1987.

6. G.S.R. 337 (E) dated 11-3-1988.

7. G.S.R. 361 (E) dated 21-3-1988.

8. G.S.R. 626 (E) dated 17-5-1988.

9. G.S.R. 734 (E) dated 24-6-1988.

